

श्रीमान महोदय उज्जैन जिला उज्जैन म.प्र.  
न्यायालय श्रीमान ~~आयुक्त~~ महोदय उज्जैन जिला उज्जैन म.प्र.

(12)

BR/निगरानी/देवास/भु.सं/2017/4749 रिहीजन प्रकरण क्रमांक 0 / 17

- मंदिर श्रीमहाकालेश्वर, मुर्ति मंगलेश्वर, ब्रह्मपतिश्वर मंदिर उज्जैन अज्ञान द्वारा पुजारी
1. शिवनारायण पिता अम्बाराम आयु 76 वर्ष जाति ब्रह्ममण द्वारा मुख्याखास
  2. अरविन्द पिता शिवनारायण आयु 40 साल जाति ब्रह्ममण  
कास्तकार ग्राम रालामंडल तहसील व जिला देवास  
वर्तमान 1/5 दुर्गाकालोनी अंकपात मार्ग उज्जैन  
तहसील व जिला उज्जैन म.प्र.

.....निगरानीकर्ता

विरुद्ध

1. पटवारी ग्राम रालामंडल प.ह.नं. 31 तहसील व जिला देवास म.प्र
2. कंचनसिंह पिता उदेयसिंह (हरिजन यादव)
3. कुलदीपसिंह पिता कंचनसिंह (हरिजन यादव)  
निवासीगण ग्राम रालामंडल तहसील व जिला देवास म.प्र.

.....प्रतिनिगरानीकर्ता

द्वितीय रिहीजन अंतर्गत धारा 50 म.प्र.भु.रा.सं. विधान के अन्तर्गत

माननीय महोदय,

पुजारी शिवनारायण के पुत्र एवं मुख्याखास कि और से प्रतिनिगरानीकर्ता के विरुद्ध द्वितीय निगरानी निम्नानुसार पेश है।

प्रकरण का संक्षिप्त में विवरण

निगरानीकर्ता प्राथीगण ने अधिनस्थ न्यायालय कलेक्टर महोदय जिला देवास के समक्ष निगरानी क्रमांक 3/2016-17 कि प्रस्तुत कि थी अधिनस्थ न्यायालय ने प्राथीगण कि निगरानी दिनांक 25.9.2017 को निरस्त कर दी गई है इस निर्णय से प्राथीगण दुखी व असंतुष्ट होकर यह द्वितीय निगरानी अर्ज प्रमाणित प्रतिलिपी प्राप्त होने के दिन मुजरा जाते हुये अंदर अवधि में प्रस्तुत कर रहे है।

पटवारी ग्राम रालामंडल ने अधिनस्थ न्यायालय नायब तहसीलदार महोदय देवास के समक्ष दिनांक 15.6.2017 को मंदिर भूमि निलामी बाबद पंचनामा प्रस्तुत किया कि भूमि सर्वे नंबर 175 रकबा 2.50 हेक्टर भूमि के निलामी कि प्रक्रिया निर्धारित कि जावे जिस पर अधिनस्थ न्यायालय ने निलामी प्र.क्र. 313बी121/2016-17 का दर्ज

(2)

Arvind

Arvind

22/2/17

न्यायालय राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश-ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक PBR/निगरानी / देवास / भू.रा. / 2017 / 4749

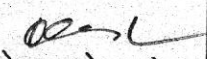
स्थान तथा दिनांक

कार्यवाही तथा आदेश

पक्षकारों एवं अभिभाषकों  
आदि के हस्ताक्षर

2-1-2018

आवेदकगण के विद्वान अभिभाषक द्वारा ग्राह्यता पर प्रस्तुत तर्कों पर विचार किया गया । कलेक्टर के आदेश दिनांक 25-9-2017 की सत्यप्रतिलिपि का अवलोकन किया गया । कलेक्टर द्वारा स्पष्ट निष्कर्ष निकाला गया है कि आवेदकगण द्वारा आपत्ति प्रस्तुत किये जाने पर तहसील न्यायालय द्वारा आपत्ति का विधिवत निराकरण किया गया है । आवेदकगण द्वारा नीलामी बोली में भाग लेने से इंकार किया गया है । तहसील न्यायालय द्वारा आवेदकगण को सक्षम न्यायालय से स्थगन प्राप्त करने हेतु पर्याप्त अवसर दिये जाने के बावजूद भी उनके द्वारा कोई स्थगन प्रस्तुत नहीं किये जाने पर आवेदकगण का आवेदन पत्र निरस्त किया गया है । अतः कलेक्टर द्वारा निकाले गये उपरोक्त निष्कर्ष के परिपेक्ष्य में यह निगरानी प्रथम दृष्टया आधारहीन होने से अग्राह्य की जाती है ।

  
(मनोज गोयल)  
अध्यक्ष